AI -1023

B. A. (Part-I)
Term End Examination, 2020-21

HINDI LITERATURE

Paper : First

Time Allowed : Three hours

Maximum Marks : 75

नोट : *सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित है।*

इकाई-I

1. निम्नलिखित पद्यांसों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 10×3=30

(क) सतगुर सांचा सूरिबाँ, सबद जु बाह्या एक।
लागत ही मैं मिल गया, पड्या कलेजे छेक॥
सतगुर मायी पाण भरि, धरि करि सूधी मूंठि।
अंगि उधाड़ै लागिया, गई दवा सूं कूटि॥
हँसै न बोलै उनमनीं, चंचल मेल्हा मारि।
कहे कबीर भीतरि भिद्या, सतगुर के हथियार॥

अथवा

जेठ जरै जग चलै सुवारा, उठहिं बवंडर परहिं अंगारा।
उठै आगि औ आवै आंधी, नैन न सूझ भरौ दुख आंधी।
चढ़ा असाढ़ गगन घन गाजा, साजा विरह दुढ़ ढल साजा।
धूम साम धौरे घन धाए, सेत धजा सग-पांति देखाएं॥
खड़ग सीजु चमकै चहुँ ओरा, बूद-सान सरसहिं चहुँ ओर॥

(ख) अँखिया हरि-दरसन की भूखी।
कैसे रहैं, रूपरसराची ये बतियाँ सुनि रूखी॥
अवधि गनत इकटक मग जोवत तब एती नहिं झूखी।
अब इन जोग-संदेसन ऊधौ अति अकुलानी दूखी॥
वारक वह मुख फेरि दिखाओं, दुहि पय पियत पतूखी॥
सूर सिकत हरि नाव चलायो ये सरिता हैं सूखी॥

अथवा

अबलौं नसानी, अब न नसैहौं।
राम कृपा भव निसा सिरानी, जागै फिर न डसैहौं॥
पायो नाम चारु चिंतामनी, उर कद ते न खसैहौं।

स्याम रूप सुचि रूचिर कसौटी, चित कंचनहि कसै हौं॥

परबस जानि हस्यों इन इन्द्रिन, निजं बस है न हसैहों॥

मन मधुकर पन कै तुलसी, रघुपति पद कमल बसैंहों॥

(ग) हीन भएं जल मीन अधीन, कहा कछु को अकुलानि-समानै।

नीर सनेही को लगाय कलंता, निरास है कायर त्यागत प्रानै॥

प्रीति कि रीति सु क्यों समुझै जड़, मीत के पानि परे को प्रमानै।

या मन की जु दसा घन आनंद, जीवकी जीवन जान ही जानै।

अथवा

जिहि घरि प्रीति न प्रेम रस, फुनि रसना नहि राम।

ते नर इस संसार मैं, उपजि भए बेकाम॥

लंबा मारग दूरि घर, निकट पंश बहु मार।

कहौ सन्तौ क्यूँ पाइये, दुर्लभ हरि दीदार॥

इकाई-II

2. कबीर एक समाज सुधारक विद्रोही सन्त थे, इस कथन की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

नागमती का विरह वर्णन अतिशयोक्त पूर्ण है, वर्णन कीजिए।

इकाई-III

3. सूरदास जी वात्सल्य और श्रृंगार रस का कोना-कोना झांक आए है, इस कथन की विवेचना कीजिए। 10

अथवा

तुलसी की भक्ति भावना का आदर्श चातक है, इस कथन की सोदाहरण समीक्षा कीजिए।

अथवा

घनानंद मुख्यतः वियोग श्रृंगार के कवि हैं, इस कथन की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

इकाई-IV

4. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों की संक्षिप्त उत्तर दीजिए— 5×3=15

(i) रहीम की रचनाओं का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

(ii) विद्यापति के विरह-वर्णन की विवेचना कीजिए।

(iii) रसखान का संक्षिप्त जीवन परिचय दीजिए।

(iv) सगुण भक्ति साखा की पांच विशेषताएं लिखिए।

(v) तुलसी समन्वयवादी कवि थे संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

इकाई-V

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दस** प्रश्नों के उत्तर लिखिए— 10×1=10

(i) कबीर की भाषा का नाम लिखिए।

(ii) तुलसीदास जी का जन्म स्थान लिखिए।

(iii) विनय पत्रिका किसकी रचना है।

(iv) सूरदास जी का जन्म कब हुआ था?

(v) सूरसागर किसकी रचना है।

(vi) पुष्टिमार्ग का जहाज किसे कहा जाता है?

(vii) रहीम का पूरा नाम क्या था?

(viii) विद्यापति की रचनाओं का नाम लिखिए।

(ix) विद्यापति का जन्म कब हुआ था?

(x) रसखान की रचनाओं का नाम लिखिए।

(xi) भक्ति काल का समय कब से कब तक माना जाता है?

(xii) पद्मावत किसकी रचना है?

(xiii) घनानंद की प्रेमिका का नाम लिखिए।

(xiv) तुलसी की भक्ति किस प्रकार की थी?

(xv) रामचरित मानस में कितने काण्ड है?